

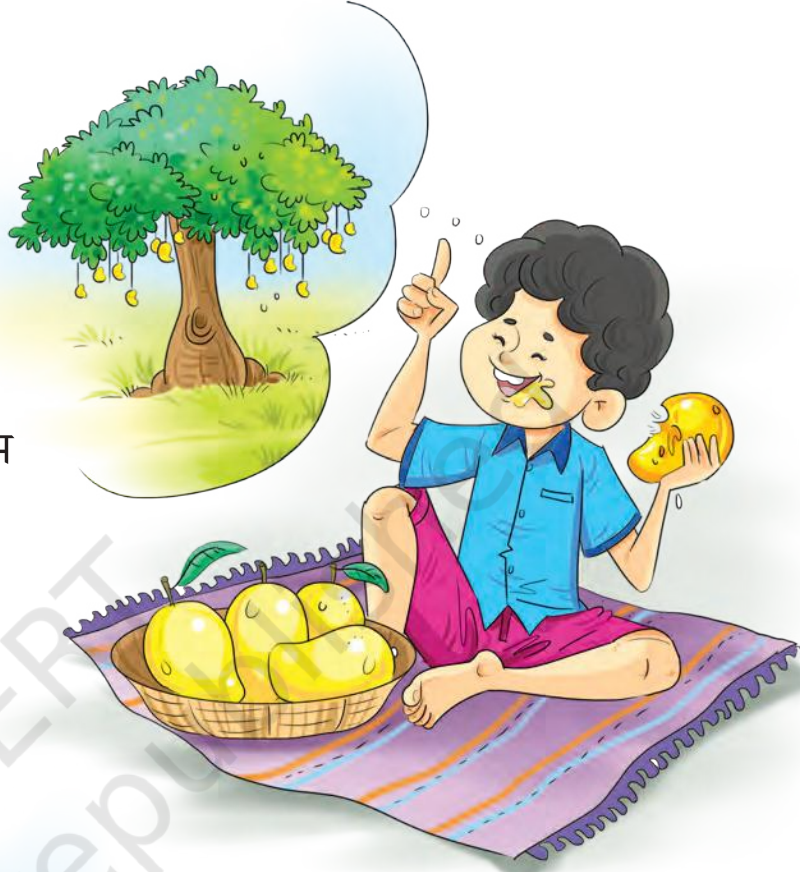


आम का पेड़



सुनें कहानी

गरमियों के दिन थे। सौरभ के चाचाजी ने अपने बगीचे के एक टोकरी आम भेजे। आम बहुत मीठे थे। सौरभ को आम बहुत अच्छे लगे। उसने सोचा— ऐसे ही आम मैं अपने बगीचे में लगाऊँगा।



उसने बगीचे में एक जगह थोड़ी मिट्टी खोदी। वहाँ आम की एक गुठली डाल दी। गुठली पर मिट्टी डालकर उसने थोड़ा पानी छिड़क दिया। वह प्रतिदिन सुबह वहाँ पानी डालता। कुछ दिन बीत गए। आम का पौधा नहीं निकला। उसने पानी डालना बंद कर दिया।





एक दिन हलकी-हलकी वर्षा हो रही थी। सौरभ घूमता हुआ बगीचे में उसी जगह पर जा पहुँचा। सामने ही लाल-लाल कोंपलों वाला नन्हा-सा पौधा लगा था। पौधा देखते ही सौरभ प्रसन्न हो उठा। “पौधा निकल आया, पौधा निकल आया,” कहते-कहते वह अंदर भागा। अपनी छोटी बहन प्रिया का हाथ पकड़कर उसे बगीचे में ले आया। पौधा देखकर प्रिया भी खुशी से उछल पड़ी।

सौरभ बोला, “यह पौधा मैंने लगाया है। यह आम का पौधा है। इसमें खूब मीठे आम लगेंगे।” दोनों भागे-भागे पिताजी के पास गए। पिताजी बोले, “क्या बात है? आज तुम दोनों बहुत प्रसन्न हो।” प्रिया बोली, “पिताजी, बगीचे में आम का पौधा निकल आया है। अगले वर्ष हम अपने ही पौधे के आम खाएँगे।” उसकी बात सुनकर पिताजी हँसे। वे प्यार से बोले,



“छोटे से पौधे को बड़ा होने में बहुत समय लगेगा। चार-पाँच वर्ष में यह एक बड़ा पेड़ बन जाएगा। इसका तना मोटा होगा। बड़ी-बड़ी शाखाएँ होंगी। तब इसमें आम लगेंगे।”

यह सुनकर प्रिया थोड़ी उदास हो गई। पर सौरभ तुरंत बोला, “कोई बात नहीं। हम पौधे की देखभाल करेंगे। एक दिन हम इसके फल अवश्य खाएँगे।”





बातचीत के लिए



1. आपको कौन-सा फल बहुत अच्छा लगता है? वह फल आपको क्यों पसंद है?
2. आपके घर या विद्यालय में कौन-से पेड़-पौधे लगे हैं? उनकी देखभाल कौन करता है?
3. चित्र में कुछ आम धरती पर गिरे पड़े हैं। आम पेड़ से नीचे क्यों गिर गए होंगे?
4. चित्र में दिखाए गए बच्चे और व्यक्ति आमों का क्या करेंगे?



सोचिए और लिखिए



1. सौरभ के चाचाजी ने सौरभ को किस मौसम में आम भेजे?
2. आम खाकर सौरभ के मन में क्या विचार आया?
3. सौरभ ने पानी डालना क्यों बंद कर दिया? क्या उसे ऐसा करना चाहिए था?
4. सौरभ और उसकी बहन क्यों प्रसन्न थे?
5. पिताजी ने आम के पौधे के बारे में सौरभ और उसकी बहन को कौन-सी बात बताई?





आपका अनुमान, किसने क्या कहा?



नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र दिए गए हैं। चित्र में दिख रहे पात्र आपस में क्या बात कर रहे होंगे, अनुमान लगाकर लिखिए—

.....
.....

.....
.....



.....
.....
.....

.....
.....



.....
.....





आइए पौधा लगाएँ



1. यहाँ बहुत-सी वस्तुओं के चित्र बने हैं। उन वस्तुओं पर घेरा बनाइए जो पौधा लगाने के काम आती हैं—



गुठली की बुआई का क्रम

2. सौरभ आम की गुठली बो रहा है। क्रम से बताइए कि उसने पहले क्या किया होगा—

- (क) धरती पर पानी डाला।
- (ख) खुरपी से धरती में गड्ढा खोदा।
- (ग) गुठली बोने के लिए अपनी माँ से सही स्थान का सुझाव माँगा।
- (घ) माता-पिता से गुठली बोने की इच्छा बताई।
- (ङ) बाल्टी में पानी लेकर आया।
- (च) माताजी से गुठली बोने की जानकारी ली।
- (छ) गड्ढे में गुठली डालकर उस पर मिट्टी डाली।
- (ज) गड्ढे में खाद डाली।

सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर

3. आइए, सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर करते हैं। पता लगाते हैं कि वहाँ क्या-क्या है? चित्र देखकर पेड़ों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए—



.....



.....





.....

.....

.....

4. सौरभ और प्रिया ने फल, साग और अनाज के नामों की सूची बनाई है। आइए, सही टोकरी में सही वस्तु रखते हैं—

आम करेला गेहूँ सेब ककड़ी आलू बाजरा
मूली पपीता लौकी चावल लीची केला बैंगन
गाजर अनार मकई पालक

.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....
.....



फल की टोकरी



अनाज की टोकरी



सब्जी की टोकरी



5. मेरे विद्यालय में पेड़-पौधे

(क) आपके विद्यालय में कौन-कौन से पेड़-पौधे लगे हैं? पता लगाइए और उनकी सूची बनाइए।

.....

.....

.....

(ख) विद्यालय के पेड़-पौधों की देखभाल के लिए आप और आपके सहपाठी क्या योगदान देते हैं, लिखिए—

.....

.....

.....



भाषा की बात



1. कहानी के अनुसार विशेषता लिखिए—

मीठे	आम
नन्हा	पौधा
.....	बहन
.....	शाखाएँ
.....	तना
.....	कोंपलें



2. कौन-सा पौधा लगाएँगे?

आप अपने बगीचे या गमले में कौन-सा पौधा लगाना चाहेंगे?

मैं अपने बगीचे या गमले में का पौधा लगाना
चाहूँगी/चाहूँगा, क्योंकि

.....

3. सौरभ ने आम की गुठली बोड़ी नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए—

गुठली वाले फल	बिना गुठली वाले फल
आम	केला
.....
.....
.....

4. काम और नाम वाले शब्द

कहानी में से काम और नाम वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

काम वाले शब्द

खोदना

भेजना

.....

.....

.....

नाम वाले शब्द

चाचाजी

सौरभ

.....

.....

.....



5. चाचाजी के प्रति सौरभ का आभार

सौरभ के चाचाजी ने उसके लिए मीठे-मीठे आम भेजे हैं। सौरभ उन्हें धन्यवाद कहना चाहता है। सौरभ को उन्हें क्या संदेश लिखना चाहिए—

आदरणीय चाचाजी

.....

.....



खेल-खेल में



नीचे दिए गए भूलभुलैया के खेल में एक फल को दूसरे फल से मिलाते हुए भूलभुलैया से बाहर निकलने में प्रिया की सहायता कीजिए—



सेब	भिंडी	केला	तोरी	नीबू
तरबूज	आम	पपीता	खरबूजा	आलू
पेठा	करेला	घीया	अनार	कद्दू
शिमला मिर्च	अरबी	बैंगन	आलूबुखारा	अनानास
कटहल	हरी मिर्च	लहसुन	अदरक	अंगूर





कला की कलाकारियाँ



नीचे दिया गया पेड़ का चित्र हाथ की छाप और उँगलियों की सहायता से बनाया गया है। आप भी अपने हाथ की छाप और उँगलियों की सहायता से ऐसा एक पेड़ बनाने का प्रयास कीजिए।



© NCERT
not to be republished





खोजें-जानें



आम के प्रकार

आपने आम के विभिन्न प्रकार के नाम सुने होंगे, जैसे— दशहरी, सिंदूरी, चौसा आदि। घर के बड़ों से पूछकर कुछ और नाम पता करके लिखिए—

.....

.....

.....



बूझो तो जानें



लाल-लाल डिबिया के अंदर,
छोटे-छोटे पीले खाने।
इन खानों के भीतर हैं,
सफेद लाल मोती के दाने।



ऊपर से तो है हरा,
अंदर से है लाल।
उतना मीठा रस भरा,
जितनी मोटी खाल।

